Total Pages : 3 **Roll No. ----------**

MAJY-507

पंचांग एंव मुहुर्त्त–02

एम0ए0 ज्योतिष (MAJY-20/21)

द्वितीय सेमेस्टर, सत्र जून 2022

Time: 2 Hours Max. Marks: 80

नोट : यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों, क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड –क

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[2 x 20 = 40]

Q.1. मुहूर्त्त का परिचय देते हुए पंचांग का शुभाशुभत्व विवेचन कीजिये।

P.T.O.

Q.2. गर्भाधान, सीमन्तोन्नयन, पुंसवन एवं नामकरण मुहूर्त्त का उल्लेख करें।

Q.3. संस्कार से क्या अभिप्राय है? उसकी आवश्यकताओं पर प्रकाश डालें।

Q.4. प्रतिपदा से पंचमी तिथि परक निर्णय का प्रतिपादन कीजिये।

Q.5. श्राद्ध का विश्लेषण कीजिये।

खण्ड – ख

लघु उत्तरों वाले प्रश्न

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

[4 x 10 = 40]

Q.1. अक्षरारम्भ, विद्यारम्भ एंव उपनयन मुहूर्त्त का प्रतिपादन कीजिये।

Q.2. वारपरक व्रत का निर्णय लेखन कीजिये।

Q.3. अन्नप्राशन एंव चूड़ाकर्म मुहूर्त्त का विश्लेषण कीजिये।

Q.4. एकादशी एंव पूर्णिमा व्रत का निर्णय का उल्लेख कीजिये।

Q.5. वधूप्रवेश एंव द्विरागमन मुहूर्त्त का परिचय दीजिये।

Q.6. श्राद्ध का महत्व प्रतिपादन कीजिये।

Q.7. ज्योतिष शास्त्र की उपादेयता पर प्रकाश डालें।

Q.8. व्रत, पर्व एंव उत्सवों का धर्मशास्त्रीय निर्णय पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

****